दिसंबर तक बाजार में आ जाएगी चीनी कोरोना वैक्सीन

दावा टीका बाजार में तो आ रहा है लेकिन भारत को मिलने को लेकर संदेह बना हुआ है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। कोरोना वायरस महामारी के बीच चीन ने दावा किया है कि उसकी कोविड–19 वैक्सीन दिसंबर तक बाजार में आ जाएगी। कोरोना वैक्सीन बनाने वाली चीन की सरकारी कंपनी ने कहा है कि अंतराष्ट्रीय बाजार में कोरोना वायरस वैक्सीन के दो डोज की कीमत करीब 130 डॉलर (9700 रुपये) होगी। चीन का यह टीका बाजार में तो आ रहा है लेकिन उसके लद्दाख में चल रहे तनाव को देखते हुए भारत को मिलने को लेकर संदेह बना हुआ है।

चीनी कंपनी ने कहा कि वैक्सीन के तीसरे और अंतिम चरण का ट्रायल चल रहा है। उधर, अधिकारियों ने डर जताया है कि कोरोना वायरस की यह वैक्सीन अगले साल तक ही तैयार हो पाएगी क्योंकि चीन में फिर से संक्रमण फैल गया है। इससे टेस्ट में काफी दिक्कत हो रही है। हालांकि यूएई में इस वैक्सीन का ट्रायल हो रहा है और 15000 लोगों पर इसको करने की तैयारी है। कंपनी ने कहा है कि वह एक साल में 22 करोड़ डोज बनाने में सक्षम है। उधर, हालिया ट्रायल में पता चला है कि लोगों को कोरोना से प्रभावी प्रतिरक्षा हासिल करने के लिए दो से तीन डोज लेना पड़ रहा है। चीन की वैक्सीन बनाने इस क्षमता से खुद उसके ही नागरिकों को टीका मिलने पर संदेह उठने लगा है। चीन कुल आबादी एक अरब 40 करोड़ है। ऐसे में सबको टीका मिलने में काफी समय लग जाएगा। यह टीका अपने पहले और दूसरे ट्रायल में सफल रहा है।

उधर, विशेषज्ञ यह भी कह रहे हैं कि यह वैक्सीन सुरक्षित होने के बाद भी कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने में सक्षम नहीं रही है। बता दें कि चीन की पहली कोरोना वायरस वैक्सीन Ad5&nCoV को पेटेंट मिल गया है। इस वैक्सीन को चीन की सेना की मेजर जनरल चेन वेई और CanSino Biologics Inc कंपनी के सहयोग से बनाया गया है। चीनी के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इस वैक्सीन को पेटेंट मिल गया है। चीन इस वैक्सीन के तीसरे चरण का दुनिया के कई देशों में ट्रायल कर रहा है।

चीन ने वैक्सीन को बनाया हथियार, भारत को जल्द मिलना मुश्किलः अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक चीन कोरोना वायरस वैक्सीन को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने पर विचार कर रहा है। चीन कोरोना वायरस वैक्सीन का इस्तेमाल ब्लैकमेल करने के लिए कर रहा है। चीन उन्हीं देशों को वैक्सीन देने का ऑफर दे रहा है जो दक्षिण चीन सागर में उसके दावे को मान्यता दे रहे हैं।

न्यूज डायरी

ट्रंप से होगा जो बाइडन का मुकाबला, डेमोक्रेटिक पार्टी ने किया ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की जंग में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपने उम्मीदवार जो बाइडन के नाम का औपचारिक ऐलान कर दिया। बाइडन का सीधा मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होगा। बाइडन ने भारतीय मूल की कमला हैरिस को अपना रनिंग मेट चुना है। अगर बाइडन चुनाव जीतते हैं तो कमला हैरिस उपराष्ट्रपति बनेंगी। डेमोक्रेटिक पार्टी ने मंगलवार रात को वर्चुअल मीटिंग के दौरान बाइडन के नाम का ऐलान किया। पार्टी के इस ऐलान के बाद बाइडन ने ट्वीट करके कहा, डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन को स्वीकार करना मेरे जीवन के लिए सम्मान की बात है। इससे पहले अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन (डीएनसी) की सोमवार रात में शुरूआत हुई। सम्मेलन की शुरूआत राष्ट्रपति पद के चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हराने के लिए देश को एकजुट करने के आह्वान के साथ किया गया।

चीन के खिलाफ भारत का इस्तेमाल कर रहे पश्चिमी देश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। भारत और चीन में चल रहे तनाव के बीच पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने बिना नाम लिए अमेरिका पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश चीन के खिलाफ भारत का इस्तेमाल कर रहे हैं। साथ ही भारत को चीन के खिलाफ मजबूत भी कर रहे हैं। सऊदी अरब से झटका खाए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अपने आयरन ब्रदर चीन की शान में उसकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और चीन लंबे समय से मित्र हैं और हमारा भविष्य चीन के साथ जुड़ा हुआ है। इमरान ने एक पाकिस्तानी टीवी चैनल के साथ बातचीत में यह भी ऐलान किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस साल दिसंबर तक पाकिस्तान की यात्रा पर आने वाले हैं। पाकिस्तानी पीएम ने कहा, यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि हमारा भविष्य चीन के साथ जुड़ा हुआ है जो हमारे हर अच्छे और बुरे में खड़ा हुआ है।

पश्चिमी इंडोनेशिया में भूकम्प के दो शक्तिशाली झटके, कोई हताहत नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जकार्ता। पश्चिमी इंडोनेशिया में बुधवार को समुद्र के अंदर दो शक्तिशाली भूकम्प के झटके महसूस किए गए। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। 'अमेरिकी भूगर्भीय सर्वे' ने बताया कि समुद्र के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई पर 6.8 तीव्रता का भूकम्प का झटका महसूस किया गया। इसका केन्द्र सुमात्रा द्वीप पर बेंगकुलु प्रांत में था। द्वीप के कई प्रांत में इसे महसूस किया गया। उसने बताया कि इसके करीब छह मिनट बाद ही 6.9 तीव्रता का एक और झटका महसूस किया गया। भूकंप से सुनामी आने की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। गौरतलब है कि इंडोनेशिया 'रिंग ऑफ फायर' पर स्थित है और इस वजह से यहां भूकम्प , ज्वालामुखी और सुनामी आने का खतरा बना रहता है।

अमेरिका और चीन के बीच उड़ानें बढ़ाने का फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कोरोना वायरस के चलते अमेरिका और चीन के संबंधों में आई कड़वाहट अब दूर होने लगी है। अमेरिका और चीन एक दूसरे की एयरलाइन के उड़ानों की संख्या बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं। कोरोना काल में पहले दोनों देशों के बीच हर हफ्ते चार उड़ानें होती थीं, जिसे अब 8 किया जाएगा। इस डील से दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच महामारी के दौरान लागू की गई यात्रा पाबंदियों में ढील के स्पष्ट संकेत मिले हैं। चीन से दुनियाभर में कोरोना फैलने के आरोप लगने के बाद चीन और अमेरिका में तल्खी बढ़ती चली गई। ट्रंप ने कई बार खुले मंच से कोरोना के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया था। अब अमेरिकी परिवहन विभाग ने मंगलवार को इस बात की घोषणा करते हुए कहा कि चीन की एविएशन अथॉरिटी ने इस हफ्ते यूनाइटेड और डेल्टा की ज्यादा उड़ानों को मंजूरी देने का फैसला किया।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ की सऊदी अरब यात्रा में विलन बने कुरैशी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की धमकी के बाद सऊदी अरब को मनाने के लिए गए पाकिस्तान के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा और ISI चीफ को खाली हाथ घर लौटना पड़ा है। जनरल बाजवा ने सऊदी अरब से रिश्तों में आए टकराव को दूर करने के लिए सैन्य मदद को बढ़ाने का ऑफर दिया लेकिन सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने उन्हें बिना मिले ही लौटा दिया। सऊदी अरब और पाकिस्तानी आर्मी चीफ के रिश्तों में आए इस ताजा तनाव की एक बार फिर से वजह बने हैं शाह महमूद कुरैशी। दरअसल, चीन और तुर्की के इशारे पर नाच रहे पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कश्मीर को लेकर पिछले दिनों अपने पुराने मित्र सऊदी अरब को बड़ी धमकी दे डाली थी। पाकिस्तानी न्यूज चैनल एआरवाई को दिए साक्षात्कार में कुरैशी ने कहा, मैं एक बार फिर से पूरे सम्मान के साथ ओआईसी से कहना चाहता हूं कि विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक हमारी अपेक्षा है। यदि आप इसे बुला नहीं सकते हैं तो मैं प्रधानमंत्री इमरान खान से यह कहने के लिए बाध्य हो जाऊंगा कि वह ऐसे इस्लामिक देशों की बैठक बुलाएं जो कश्मीर के मुद्दे पर हमारे साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।

माली में विद्रोहियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को हिरासत में लिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बमाको। पश्चिम अफ्रीकी देश माली में हालात काफी खराब हो चुके हैं। देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को विद्रोही सैनिकों ने हिरासत में ले लिया है। इसे तख्तापलट का प्रयास माना जा रहा है। इससे पहले माली में विद्रोही सैनिकों ने मंगलवार को राष्ट्रपति के निजी आवास को घेर लिया और हवा में गोलियां चलाईं। माली में विद्रोही सैनिकों ने सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को भी बंधक बना लिया है। अभी तत्काल यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस विद्रोह के पीछे कौन है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राजधानी बमाको के पास स्थिति काटी शहर में गोलियां चलने की आवाजें भी आई हैं। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं को राजधानी बामाको में कीटा के निवास से हिरासत में लिया गया है।

भारत–चीन सीमा पर गरज सकता है अमेरिका का बॉम्बर बी–2 स्प्रिट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका। लद्दाख में भारत और चीन के बीच जारी तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। भारत और चीन दोनों ही देश अब इस इलाके में सर्दियों में भी तैनाती के लिए तैयारी कर रहे हैं। चीन भारत के साथ कई दौर की बातचीत के बाद भी पैंगोंग झील और देपसांग इलाके से हटने का नाम नहीं ले रहा है। ड्रैगन की इस दादागिरी के खिलाफ अब अमेरिका भारत के साथ आता दिख रहा है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ड्रैगन को कड़ा संदेश देने के लिए अमेरिका भारत–चीन सीमा पर अपने सबसे घातक परमाणु बॉम्बर बी–2 स्प्रिट को उड़ा सकता है। यह अमेरिकी बॉम्बर एक साथ 16 परमाणु बम ले जा सकता है।

दोस्तों के लिए कभी भी, कहीं भी हमला करने में सक्षमः अमेरिका

अमेरिकी पत्रिका द नैशनल इंटरेस्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आने वाले दिनों में ये अमेरिकी परमाणु बॉम्बर भारत के साथ जल्द ही फ्लाई ओवर मिशन, युद्ध की तैयारियों और एक–दूसरे के सुविधाओं के इस्तेमाल का बड़े पैमाने पर अभ्यास कर सकता है। अमेरिकी पत्रिका ने कहा कि इसमें खास बात यह है कि इस अभ्यास को भारत–चीन सीमा पर अंजाम दिया जा सकता है। तीन बी–2 बमवर्षक विमान इस समय अमेरिकी नेवल बेस डियागो गार्सिया में तैनात हैं जो भारत से मात्र 1 हजार मील की दूरी पर स्थित है। बता दें कि अमेरिका अफगानिस्तान युद्ध के दौरान इसी डियोगो गार्सिया नेवल बेस से अपने बमवर्षक विमानों को हमले करने के लिए भेजता था।

ये विमान करीब 29 घंटे की यात्रा करके डियागो गार्सिया पहुंचे हैं। अमेरिकी वायुसेना के कमांडर कर्नल क्रिस्टोफर कोनंत ने कहा कि 29 घंटे की यात्रा यह दर्शाती है कि अमेरिका अपने दोस्तों और सहयोगियों की मदद के लिए बेहद घातक और लंबी दूरी तक किसी भी समय और कहीं भी हमला करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

बचाया नहीं जा सकता ग्रीनलैंड का पिघलता ग्लेसियर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ग्रीनलैंड। ग्रीनलैंड में बर्फ की परतों का पिघलना जारी है और अबतक यह इतना अधिक पिघल चुका है कि अब पहले जैसा वापस होना असंभव है। पिघल चुके बर्फ की मात्रा की भरपाई बर्फबारी से भी होना असंभव है। ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी ने स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग रुक जाने के बाद भी पिघल चुके बर्फ की ऊपरी परतों का नुकसान पूरा नहीं हो सकता है। बता दें कि जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। पूरी दुनिया इसके खतरों को लेकर आशंकित है। अब हाल ही में हुए एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने ग्रीनलैंड में बर्फ की बदलती स्थिति पर चिंता जताई है। इसमें बताया गया है कि बीती गर्मी के मौसम में ग्रीनलैंड से 600 बिलियन यानी 60 हजार टन बर्फ पिघलकर कर समुद्र में समा गई। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की वैज्ञानिक और इस अध्ययन की प्रमुख लेखक इसाबेल वेलिकोग्ना ने इसी साल मार्च में बताया कि पिछले साल अन्य वर्षों के मुकाबले काफी गर्मी थी, जिसका सबसे ज्यादा असर ग्रीनलैंड की बर्फ की चादरों और पड़ा और वे पिघल गई।